Shri Mrityunjaya Stotram

श्रीमृत्युञ्जयस्तोत्रम्

Document Information

Text title : Shri Mrityunjaya Stotram

File name : mRRityunjayastotram5.itx

Category : shiva

Location : doc_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Latest update : April 25, 2020

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 31, 2020

sanskritdocuments.org

Shri Mrityunjaya Stotram

श्रीमृत्युञ्जयस्तोत्रम्

शम्भो महादेव शम्भो महादेव शम्भो महादेव गङ्गाधर ।
मृत्युञ्जय पाहि मृत्युञ्जय पाहि मृत्युञ्जय पाहि मृत्युञ्जय ॥ ध्रु॥

अद्रीशजाधीश विद्रावितागौघ भद्राकृते पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

आकाशकेशामराधीशवन्द्य त्रिलोकेश्वर पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

इन्दूपलेन्दुप्रभोत्फुल्लकुन्दारविन्दाकृते पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

ईशार्चिताङ्घ्रे महेशाखिलावास काशीपते पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

उक्षेशसञ्चार यक्षेशसन्मित्र दक्षार्चित पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

ऊहापथातीतमाहात्म्यसंयुक्त मोहान्तक पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

ऋद्धिप्रदाशेष बुद्धिप्रतारज्ञ सिद्धेश्वर पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

ॠपर्वतोत्तुङ्गशृङ्गाग्रसङ्गाङ्गहेतो सदा पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

लब्ध्यात्मभक्तौघसङ्घाति सङ्घातकारिप्रहन् पाहि पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

लॄतीकृतानेकपारादिकृत्यन्तनीयाधुना पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

एकादशाकारराकेन्दुसङ्काश शोकान्तक पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

ऐश्वर्यधामार्क वैश्वानराभास विश्वाधिक पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

ओषध्यधीशांशुभूषादिपापौघमोक्षप्रद पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

औद्धत्यहीनप्रबुद्धप्रभाव प्रबुद्धाखिल पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

अम्बासमाश्लिष्ट लम्बोदरापत्य बिम्बाधर पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

अस्तोककारुण्य दुस्तारसंसारनिस्तारण पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

कर्पूरगौरोग्र सर्पाढ्य कन्दर्पदर्पापह पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

खद्योतनेत्राग्निविद्युद्ग्रहाक्षादि विद्योदित पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

गन्धेभचर्माङ्गसक्ताङ्ग संसारसिन्धुप्लव पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
घर्मांशुसङ्काश धर्मैकसंप्राप्य शर्मप्रद पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
ङोत्पत्तिबीजाखिलोत्पत्तिबीजामराधीश मां पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
चन्द्रार्धचूड मरुन्नेत्र काञ्चीनगेन्द्रालय पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
छन्दश्शिरोरत्न सन्दोहसंवेद्य मन्दस्मित पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
जन्मक्षयातीत चिन्मात्रमूर्ते भवोन्मूलन पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
झणच्चारुघण्टामणिव्रातकाञ्चीगुणश्रेणिक पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
ञणित्यष्टचिन्तान्तरङ्ग प्रमोदाटनानन्दहृत्पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
टङ्कातिटङ्क मरुन्नेत्र भृङ्गाङ्गनासङ्गत पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
ठाली महापां केली तिरस्कारकारानल पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
डोलायमानान्तरङ्गीकृतानेकलास्येश मां पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
ढक्काध्वनिध्वानदाहध्वनिभ्रान्तशतृत्व मां पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
णाकारनेत्रान्त सन्तोषितात्मश्रितानन्द मां पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
तापत्रयात्युग्रदावानलसाक्षिरूपाव्यय पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
स्थाणो मुरारातिबाणोल्लसत्पञ्चबाणान्तक पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
दीनावनाद्यन्तहीनागमान्तैक मानोदित पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
धात्रीधराधीशपुत्रीपरिष्वङ्गचित्राकृते पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
नन्दीशवाहारविन्दासनाराध्य विन्दाकृते पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
पापान्धकारप्रदीपाद्वयानन्दरूप प्रभो पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
फालाम्बकानन्त नीलोज्ज्वलन्नेत्र शूलायुध पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
बालार्कबिम्बांशुभास्वज्जटाजूटिकालङ्कृत पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
भोगीश्वराकल्प योगिप्रियाभीष्टभोगप्रद पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
मौलीद्युनद्यूर्मिमालाजटाजूटिकाप्रिय पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
यज्ञेश्वराखण्डतद्ज्ञानिधे दक्षयज्ञान्तक पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥

राकेन्दुकोटिप्रतीकाशलोकादि सृष्ट्वन्दित पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
लङ्केशवन्द्याङ्घ्रिपङ्केरुहाशेष शङ्कासह पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
वागीशतूणीरवन्दारुमन्दार शौरिप्रिय पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
शर्वाखिलाधार सर्वेश गीर्वाणगर्वापह पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
षड्वक्रतात त्रिषाड्गुण्यलोकादि सृष्ट्वन्दित पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
सोमावतंसान्तरङ्गे स्वयान्धाम सामप्रिय पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
हेलानिगीर्णोग्र हालाहलासह्य कालान्तक पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
क्षोणीधराधीश बाणासनावाप्तशोणाकृते पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
क्षित्यम्बुतेजोमरुद्व्योमसोमात्मसत्याकृते पाहि मृत्युञ्जय ॥ मृत्युञ्जय ॥
शम्भोमहादेव शम्भोमहादेव शम्भोमहादेव गङ्गाधर ॥ मृत्युञ्जय ॥
मृत्युञ्जय पाहि, मृत्युञ्जय पाहि ।
मृत्युञ्जय पाहि, मृत्युञ्जय पाहि ।
मृत्युञ्जयो मुक्तिदाता अथ्यवोचदिति श्रुतौ ॥ मृत्युञ्जय ॥
भवरोग निमग्नानां भिषङ्मणिरितीरितः ॥ मृत्युञ्जय ॥
इति मृत्युञ्जयस्तोत्रं समाप्तम् ।

Proofread by PSA Easwaran

Shri Mrityunjaya Stotram
pdf was typeset on May 31, 2020

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*